सौराष्ट विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र भवन द्वारा आयोजित गुरू एवोर्ड अंतर्गत शिक्षा विभूषण पुरस्कार समारोह में दिनांक २१ दिसंबर, २०१५ को गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ० पी० कोहली जी के संकलित अंश।

- सौराष्ट विश्वविद्यालय मे दीक्षान्त समारोह के बाद फिर एक बार उपस्थित हू। इसबार बहुत उमदा और महत्वपूर्ण उददेश्य के साथ मै आया हू। आज का समारोह मेरे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आज श्रेष्ठ शिक्षक का सन्मान हो रहा है। मै मानता हू कि जहा शिक्षा और शिक्षा के उपासक सन्मानित होते हो वह समाज हमेशा उन्नत ही होता है।
- हमारी सस्कृति ने गुरू को ईश्वर तुल्य स्थान दिया है। गुरू को हमने साक्षात् ब्रह्मा, विष्णु, और महेश का अवतार माना है, क्योकि गुरू ही हमे ज्ञान सपदा से सपन्न करते है। गुरू ही ससार के सभी परिताप से हमे विद्या के माध्यम से मुक्ति दिलाता है। इसलिए कहा गया हैं कि –**''सा विद्या या विमुक्तये ।''** अर्थात् सभी बधनो से मुक्त कराये वो ही विद्या है।
- नालदा और तक्षशिला का वैभव हम जानते है। ये विश्वविद्यालयो से ही हमारा समाज ज्ञान संपन्न था। समृद्ध था। माना जाता है कि शिक्षा प्रणालि जीतनी ठोस हो, उतना ही समाज उन्नत होता है।
- आज शिक्षा आराधको को सन्मानित करते हुए मे बहुत खुश हू। हम सब जानते हैं कि अध्यापक सिर्फ अभ्यासक्रम पूर्ण करने हेतु नही, अपितु छात्र–छात्राओं मे गुण पैदा करके उन्हें अच्छे चारित्र्यवान बनाने का लक्ष्य रखता है। आज समाज को चाहिए कि लोगो मे गुण एवम् कुशाग्रता हो जिससे हम मडल, शहर, राज्य और राष्ट में महत्वपूर्ण बदलाव ला सके और ये सब उमदा चरित्रवान अध्यापक से हो सकता है जो समाज और नई पीढ+ो से सबसे नजदीक है।
- सौराष्ट प्रदेश तो भगवान श्री कृष्ण की कर्मभूमि भी है। जीसे हम जगदगुरू कहके उनकी पूजा अर्चना करते है। इस प्रदेश का लोक साहित्य भी अपने आप में शिक्षा का बड+ा माध्यम बनने की ताकत रखता है। महात्मा गाधोजी अपने सारे जीवन को देश सेवा के लिए समर्पित करके हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गये। एसी पावन भूमि सौराष्ट प्रदेश मे शिक्षा के साधक का सन्मान होना बड+ा महत्वपूर्ण है।
- अध्यापको का सम्मान मान्यता देता है कि आप लोगो ने श्रेष्ठता के साथ अपना कार्य किया है, जो आपको आतरिक खुशी और संतोष देगा। जिन पुरस्कृत अध्यापको को उच्च शिक्षा मे शिक्षा भवन द्वारा सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ है उनकी शिक्षा, नवीनतम शोध और छात्र तथा समाजलक्षी विस्तरण सेवा अभिनदन के पात्र है और इसके लिए समाज और हम ऋणी है। इस पुरस्कार के साथ आपकी जिम्मेदारी भी बढे+गी क्योकि समाज आपसे शैक्षिक समस्याओ के लिए, विकास की नई तराहो के लिए सलाह–सुचन और समाधान की भी अपेक्षा रखेगा।
- मै आशा करता हू कि इस पुरस्कार की गुणवत्ता और आदर्शता सालो–साल अविरत बढ+ती रहे और इस पवित्र 'गुरू एवोर्ड' के अतर्गत अधिक अध्यापकों को पुरस्कार दिए जाए ताकि ये आजके और भविष्य के अध्यापकों के लिए गौरव और प्रेरणा रूप बना रहे।

धन्यवाद। जयहिन्द।